05/05/2012; Issue 011; ` 1

पं ग वा ड़ी मा सि क प त्रि का

तुबारि

तुबारि खरिदे तुबारि पढ़े

अपु पंगवाड़ी भाषा सुहिल्यत करे

तुबारि संपादकीय टीम

♦अस इ उम्मिद करुं लगो से कि एण बाड़े दिन अन्तर सुआ मेह्णु इस कम अन्तर सहयोग कते।

♦इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगि घाटि अन्तर पढ़ूं जे इ पत्रिका शुरु किओ सि।

♦तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦तुबारि पत्रिका कोइ मेह्णु, जनजाति, त संस्कृति गल्ति कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोइ ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुलि बोक असि कि पेह्लि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलति बि भुन्ति। अगर कोइ लिखणे गलति असि त असि जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेह्णु के मदद ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकति।

♦कोइ चिज छपां सि या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस सोभि पांगि मेह्णु जे हात जोड़ कई निवेदन कते कि, तुस बि कोइ अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नौइं कथा, कहावत, कविता, त नौवे घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंन्नदे दिए।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भैड़ हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असि।

तुबारि संपादकीय टीम

9418431531
9418429574
9418329200
9418411199
9418411599

सही चुनावे सही नतीजे

चुनाव करं हैं रोजे कम भो। अलग-अलग मेह्णु फैसले नेण जे अलग-अलग तरीके लान्ते। यक जलहेणु कथा पढ़े। यक जलहेणु, ग्रां-ग्रां घेई कई समान बेचतीथ। से जिखेईं बि ग्रां-ग्रां घेन्तिथ। जेठि बि तेस दुबथि मेतिथ त से यक लठि टान्तिथ तेस खड़िया फटान्तिथ ताऊं से लठि जेस कना झड़ी तेस कना जे घेन्तिथ। यक रोज से लठि घेड़ी-घेड़ी खड़िया फटां लगोथी। यक मेह्णु तेस केआं पुछ कि से कि करं लगोसी? तुस जाणते न तेसे जबाव कि थिआ? बोति इ लठि घेड़ी-घेड़ी उमल कना जे झड़ण लगोसी जदकि माउं सुमल कना घेण असु। एस कहानी केआं पता लगता कि असि त सोबि मेह्णु फैसला नेण जे समझदारी त कारणे जरुरत पड़ती। ध्यान रखं एन्ता।

जिखेईं बि असि कोई फैसला नेण भुन्ता त अगर तेस टेम अस अपु अन्तरात्माई शुणेल त फैसला नेण आसान भुई घेन्तु।

जिखेईं बि असि कोई फैसला नेण भुन्ता त अगर तेस टेम अस अपु अन्तरात्माई शुणेल त फैसला नेण आसान भुई घेन्ता। कि, कऊं विकल्प चुणु असा। अगर तूं मन अन्तर गलत करणे इच्छा अइएल बि, तिखेईं तुस अपु जिन्दगी मूल सिध्दांत, ईमानदारी, अहिंसा, मोटी के बोक मनी त तन्के इज्जत करीं, लेहरीं नाउ, झूठ ना बोलुं, चोरुं जारुं नाउ, कुई धुई ना छेड़ीं, ब्याह केआं पेहले परहेज ना रखुं, आदि याद करे, कि हैं जिन्दगी कोई न कोई मकस्द असा। त अस अपेपु समझी घेन्ते कि ए असि हैं बथ केआं भुलाणे यक छलावा भो, जे असि नजर अन्दाज करुं असु। सही चुनाव करणे बोलि सही नतीजे भुन्ते। अगर अस कुछ बि फैसले नेण केआं पेहले तेसे नतीजे बारे सोचते त मठे-मठे अस सही फैसले नेण लगि घेन्ते। चुनाव करं केआं पेहले तेन्के नतीजे बारे सोचे। मठिणयार अन्तर अस जेबि फैसले नेन्ते हैं भविष्य पुठ तेसे गहरा प्रभाव पड़ता। केतने फेरि अस इ बिसरी घेन्ते कि हैं फैसले बोलि हैं भेड़बाइ बि बड़आ फरक पड़ता। हैं बोलि यक गलत फैसला भोएल त पुरे गिहे शान्ति भंग भोइ घेन्ति। असि हेरु कि कुछ फैसली के नतीजे खोटे भुई सकते, जेस पुठ असि पता पछताण एन्तु। तउं त असि खरे चुनाव करणे फैसला नेण चाहिए। मठिणयार अन्तर बि हैं जिन्दगी होरि जे प्रेरणा भोई सकती।

बुध्दिमानी के बोक

यक नगर अन्तर यक राजा भुन्तथ। तेसे गभुर बान्दरि जुओई खेलतेथ त तेन्के धे सुआ खाणे चीज देन्तेथ। तेस राजे महल अन्तर मठुट राजकुमारि जे सुवारी करूं जे ढेडुड़ बि थिए। तेन्हि ढेडुड़ बिच यक डेंगु थिउ, जे रात दिन आटि अन्तर घेई कई रोटी खई छान्तुथ, से निडर भोई गो थिउ। रसोईया तेस, जे, मेऊ, तेनि बई मडतथ। ढेडुड़ु त रसोईये मडीन्ते बान्दरि के सरदारे काई छड़े। बान्दरि के सरदारे सोचु कि एन्के

Cont .....बुध्दिमानी के बोक

झगड़आ असि जे बुरा भोई सकता। तेनि सोब बान्दर यक जगई भिए त बोलु कि रसोईये त ढेडुड़ झगड़आ पक्का, हैं विनाशे कारण बणता। केनि बोलो बि असु कि "जेस गी अन्तर यहाणि झगड़आ भून्ता तेठि जे जीं चांहता से तेठिया दूर घेई घेन्ता"। त चले अस सोब बि इस महल छड़ दी कई जंगल अन्तर घेई घेन्ते। ताऊं सोब बान्दर बोते अस महले सुख छड़ दी कई कुर्हे न घेन्ते। एस शुणि कई बान्दरि के सरदारे टीरि अन्तर पोणि एई गोऊ। तऊं से अकेला जंगल जे घेई गा। तेस केआं पता दोके रोज से डेंगु फिर आटि अन्तर गऊ त रसोइये तेस पुठ जाओ कठोड़े बई दिति। तऊं तेसे ऊनि जुओई आग लग गई। डेंगु तऊं घोड़ि के गुआड़ि घेई गऊ त आग हुशाण जे लोटिं दे लगु। तिखेईये तेथ घास अन्तर आग लगी गई ताऊं केतने घोड़े फुकी कई मरी गे त केतने घायल भुई गे। राजा बोता मे अतो घोड़े मरि गे। त जे घायल थिए तेन्हि जे राजे वेद भिया। वेद बोता कि घोड़ी के जकम मुकाण जे बान्दरि के मन्झ लाण एन्ति। राजे आदेश दिता कि सोब बान्दरि मारि कई तेन्के मन्झ घोड़ी जुओई ले। बान्दर एस बोक शुणि कई बोते मरि गे अस त अब।

बोलो बि असु। जे मेहणु कल्याणकारी वचन छड़ दी कई, उमला कम कते। बुध्दि बाडा मेहणु तेन्हि जे दोस्ति के शक्ल अन्तर दुशमण बोते।

.....(अनुवादिक कहानी) शुभम।

कुछ खास खबर

- रोहतांग पास खुलि गो असु त मनाड़ि जे छोटी गाड़ि चलण लगो असि।
- गाहरी के ग्रांई अन्तर मटर बिजाई कम शुरू भुई गो असु।
- बि.एस.एन.एल बाड़ि के मशीने खराप भूणे बोलि टाई हफ्ते सिगनाल ना आ त हउ बि घट सिगनाले बोलि मेहणू परेशान असे।

दुसरी क्लासे गभुर केआं, मास्टर पुछता.....

By Shubham

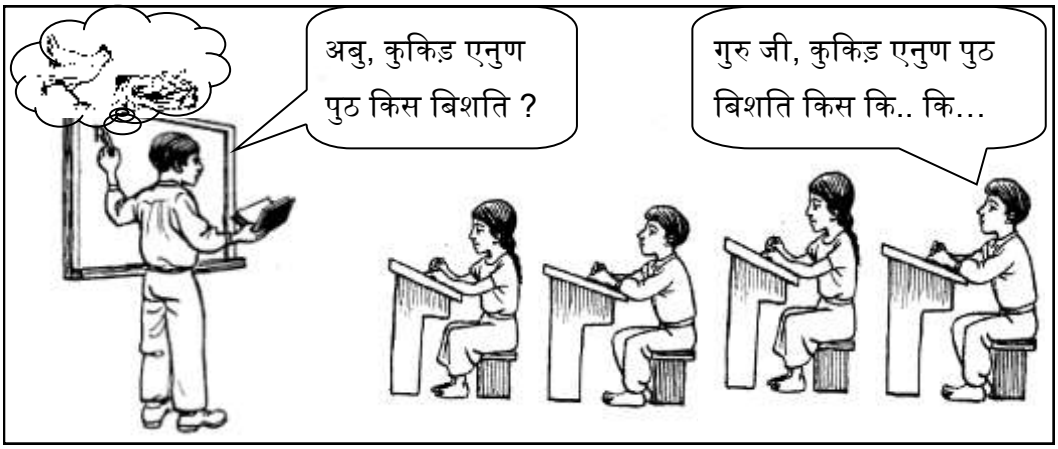

ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 9418429574

खाने दुवांइ नेणे वक्त एक्सपाईरि डेट हेरूं जरूरी असी।

ट्यारे पंगेई मेहणुओ, खाने दुवांइ नेणे वक्त अस यक चिज पुठ ध्यान रखुणे जरूरी असी। दवखाना या हस्ताड़ कैआं दुवांइ नेणे टेम, दुवांइ किखेइं बणोसे डेट, त दुवांइ किखेइं एक्सपाईरि भुणे डेट पुठ पक्का ध्यान रखे। (एक्सपाईरि भुणे डेट - दुवांइ काम करणे गुण खतम भुणे टेम) टिकि पत्ते पतुं, पिणे दुवांइ बोतुल पुठ, सुयि दुवाइ बोतुल पुठ बि ई सोब छपो भुन्तु। एक्सपाईरि दुवांइ खाणे बोली, बिमारी ठीक न भुन्ति, त होरा रियाक्षन बि भोइ सकता। रियाक्षने बोलि पुरा जिशम कशीण लगता, दिल घबराण, चक्कर एण बगैरा बगैरा नुकसान भुन्ति, त कदि-कदि मेहणु मर बि सकते। इस जुए, एक्सपाईरी डेट पुठ नजर रख कइ तस दुवांइ न खायेल, असी कोई नुकसान न भुन्ता। अगर हस्ताड़ अन्तर एक्सपाईरी दुवांइ देयाल, त डाक्तर साब जे बोलि कई होरे दुवांइ नेण।

Based on public interest Issued by Tubari editorial Team